लगातार 72 वर्षों से प्रकाशित

ट्रेडमार्क नं. 70 71 72

लाला रामस्वरूप रामनारायन एण्ड सन्स

941, लार्डगंज (स्टेशनरी दुकान) जबलपुर

संपादक प्रहलाद अग्रवाल जबलपुर

रामनारायन पंचांग

सूर्य दक्षिणायन ता. १४ से उत्तरायण

हेमन्त ऋतु/ शिशिर ऋतु

भद्रा स्थिति

ता. १ को ५।२२ रात अंत से ता. २ के ५।३४ शाम तक। ता. ५ को ४।४१ दिन से ३।५६ रात तक। ता. ८ को १०।४५ रात से ता. ९ के ९।३७ दिन तक। ता. ११ को १०।३१ रात से ता. १४ के ९।२५ दिन तक। ता. १६ को ५।३८ रात्रांत से ता. १७ के ५।२६ शाम तक। ता. २० को ६।३१ शाम से ता. २१ के ७।४५ प्रातः तक। ता. २४ को १२।४२ दिन से १।४५ रात तक। ता. २८ को ७।४१ प्रातः से ८ बजे रात तक। ता. ३१ को ९।२ रात से भद्रा प्रारंभ। **गुरु शुक्र तारा** – पूर्व दिशा में उदित। **पंचक** – ता. १२ को २।०७ रात से ता. १७ के ११।१८ दिन तक।

चंद्र स्थिति

सिंह का। ता. १ को ५।४५ रा. अ. से कन्या का। ता. ४ को १।४० दिन से तुला का। ता. ६ को ६।०४ शाम से वृश्चिक का। ता. ८ को १०।४५ रात से धनु का। ता. १० को १२।२६ रात से मकर का। ता. १२ को २।०७ रात से कुम्भ का। ता. १४ को ५।१२ रा. अ. से मीन का। ता. १७ को ११।१८ दिन से मेष का। ता. १९ को ६।१८ शाम से वृष का। ता. २१ को ४।३० रा. अ. से मिथुन का। ता. २४ को ४।१२ शाम से कर्क का। ता. २६ को ३।१९ रा. अ. से सिंह का। ता. २९ को १।३७ दिन से कन्या का। तारीख ३१ को ९।१५ रात से तुला का। **अयनकालिक लग्न**–ता. १ से १४ तक धनु, ता. १५ से मकर लग्न रहेगी।

हिजरी सन् १४२५

जिल्काद मास, ता. १२ से जिलहेज मास (१२) प्रारंभ

ता. २० हज

ता. २१ बकरीद (ईदुज्जुहा)

ता. २८ गदीर-ए-खुम

विक्रम संवत २०६१

शक संवत् १९२६

ता. पौष मास ता. २१ से माघ प्रा. (पौष ११ से माघ ११ तक)

वीर नि. सं. २५३१

बंगला सन् १४११, बंग पौष/माघ मास ता. १५ से बंग माघ मास प्रारंभ

जनवरी 2005

वार					
रवि (Sunday)	३० (19) माघ कृष्ण ५	२ (20) पौष कृष्ण ७	९ (27) पौष कृष्ण १४	१६ (5) पौष शुक्ल ७	२३ (12) पौष शुक्ल १३
सोम (Monday)	३१ (20) माघ कृष्ण ६	३ (21) रुक्मिणी अष्टमी ८	१० (28) सोमवती अमावस्या ३०	१७ (6) पौष शुक्ल ८	२४ (13) व्रत की पूर्णिमा १४
मंगल (Tuesday)	मूल	४ (22) पौष कृष्ण ९	११ (29) पौष शुक्ल १	१८ (7) पौष शुक्ल ९	२५ (14) स्नानदान पूर्णिमा १५
बुध (Wednesday)		५ (23) पौष कृष्ण १०	१२ (1) पौष शुक्ल २	१९ (8) पौष शुक्ल १०	२६ (15) गणतंत्र दिवस १
गुरु (Thursday)	ऐच्छिक अवकाश	६ (24) पौष कृष्ण ११	१३ (2) लोहड़ी उत्सव ३	२० (9) पौष शुक्ल ११	२७ (16) माघ कृष्ण २
शुक्र (Friday)		७ (25) स्वरूप द्वादशी १२	१४ (3) मकर संक्रांति ४	२१ (10) बकरीद पौष शुक्ल ११	२८ (17) माघ कृष्ण ३
शनि (Saturday)	१ (19) पौष कृष्ण ६	८ (26) प्रदोष व्रत १३	१५ (4) पौष शुक्ल ५/६	२२ (11) पौष शुक्ल १२	२९ (18) संकष्टा चौथ, गणेश चतुर्थी व्रत ४

सूर्य उदय	दिनांक	१-६।५४	५-६।५६	१०-६।५७	१५-६।५७	२०-६।५७	२५-६।५६
सूर्य अस्त	दिनांक	१-५।३२	५-५।३६	१०-५।३८	१५-५।४१	२०-५।४४	२५-५।४८

दूध हिसाब / तिथि समय

ता.	सुबह	शाम	तिथि	समय बजे तक
1			६	५।२२ रात्रांत तक
2			७	५।४६ रा.अ.तक
3			८	५।४० रा.अ.तक
4			९	५।२२ रा.अ.तक
5			१०	३।५६ रात तक
6			११	२।३३ रात तक
7			१२	१२।४६रात तक
8			१३	१०।४५रात तक
9			१४	८।३१ रात तक
10			३०	६।८ शाम तक
11			१	३।४५ दिन तक
12			२	१।२४ दिन तक
13			३	११।२१दिन तक
14			४	९।२५ दिन तक
15			५	७।४३ प्रात:तक
			६	६।२६ रा.अ.तक
16			७	५।३८ रा.अ.तक
17			८	५।१४ रा.अ.तक
18			९	५।२३ रा.अ.तक
19			१०	५।५९ रा.अ.तक
20			११	दिन रात
21			११	७।५ प्रात: तक
22			१२	८।३९ प्रात:तक
23			१३	१०।३५दिन तक
24			१४	१२।४२दिन तक
25			१५	२।५० दिन तक
26			१	४।५५ दिन तक
27			२	७।२२ रात तक
28			३	८ बजे रात तक
29			४	८।५१ रात तक
30			५	९।१२ रात तक
31			६	९।२ रात तक
योग				

ग्रहस्थिति

सूर्य-धनु में, ता. १४ के ११।२३ दिन से मकर में। **मंगल** – वृश्चिक में, ता. २९ के ८।२४ दिन से धनु में। **बुध** -वृश्चिक में, ता. ५ के ८।२९ रात से धनु में, ता. २६ के २।४६ दिन से मकर में। **गुरु** - कन्या में। **शुक्र**-वृश्चिक में, ता. ४ के २।१३ रात से धनु में, ता. २८ के १२।४८ रात से मकर में। **शनि**-कर्क में, तारीख १५ के ११ बजकर ३० मिनिट रात से मिथुन में। **राहु**-मेष में। **केतु**-तुला राशि में।

यादादाश्त

राशिफल

मेष-शुभ समाचार, यात्रा, मांगलिक कार्य।
वृषभ-नये कार्य का विचार, मित्र मिलन।
मिथुन-यात्रा में हानि, भूमि से हानि।
कर्क-उन्नति, मांगलिक कार्य, वाहन सुख।
सिंह-सहयोग प्राप्ति, रोग कष्ट, मित्र मिलन।
कन्या-परिश्रम अधिक, जायदाद वृद्धि।
तुला-नई योजना, वाहन सुख, भूमि लाभ।
वृश्चिक-लाभ, भूमि क्रय, शुभ समाचार।
धनु-यात्रा, सम्मान प्राप्ति, पदोन्नति, सुख।
मकर-मित्र सुख, शुभ समाचार, यात्रा।
कुंभ-कष्ट, विवाद, सफलता, धन प्राप्ति।
मीन-हानि, मांगलिक कार्य, वाहन सुख।

शुभ मुहूर्त

विवाह मुहूर्त-ता. १५, १६, २०, २१, २२, २७, २९, ३०, ३१

उपनयन-ता. २१, ३०। **कर्णवेध**-ता. ३१

गृह प्रवेश-ता. २१, २२

मुख्य जयंती, दिवस

ता. ४ लुई ब्रेल जयंती
ता. १२ स्वा. विवेकानंद ज., राष्ट्रीय युवा दि.
ता. १५ थल सेना दिवस
ता. १९ ओशो महोत्सव
ता. २१ वीर हेमूकालानी शहीद दिवस
ता. २३ सुभाष चंद्र बोस ज., देश प्रेम दिवस
ता. २८ लाला लाजपत राय जयंती
ता. ३० म. गांधी शहीद दिवस, शहीद स्मृति दिवस, कुष्ठ रोग निवारण दिवस
ता. ३१ अवतार मेहेर बाबा की अमर तिथि

सर्वार्थ सिद्धि योग–ता. २ को सूर्योदय से १।६ रात तक। ता. ६ को १२।३३ रात से ता. ७ के १२।२७ रात तक। ता. ९ को सूर्योदय से ८।३२ रात तक। ता. १६ को सूर्योदय से ११।१४ दिन तक। ता. १८ को सूर्योदय से ११।३६ दिन तक। ता. १९ को १२।२५ दिन से रात अंत तक। ता. ३० को सूर्योदय से रात अंत तक।

द्विपुष्कर योग – तारीख २२ को सूर्योदय से ८ बजकर २९ मिनिट प्रातः तक।

त्रिपुष्कर योग – ता. २ को सूर्योदय से १।६ रात तक। ता. ११ को ३।४९ दिन से ५।१० शाम तक। **राजयोग** – ता. ७ को सूर्योदय से ११।२७ रात तक। ता. १२ को ३।३२ दिन से रात अंत तक। ता. २१ को ३।१४ दिन से रात अंत तक। ता. २५ को सूर्योदय से २ बजकर ५० मिनिट दिन तक। ता. २८ को सूर्योदय से ८ बजे रात तक।

व्यतिपात योग – ता. १३ को ७ बजकर २५ मिनिट प्रातः से ४।४९ रात अंत तक।

सूर्य नक्षत्र भ्रमण – सूर्य पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में, ता. १० को ३ बजकर १४ मिनिट रात अंत से उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में, ता. २३ को ५ बजकर २० मिनिट रात्रांत से श्रवण नक्षत्र में।

जनवरी माह के मुख्य व्रत, त्यौहार

ता. ६ सफला एकादशी व्रत
ता. ७ स्वरूप द्वादशी
ता. ८ प्रदोष व्रत, शिव चतुर्दशी
ता. १० सोमवती अमावस्या
ता. ११ चंद्रदर्शन
ता. १३ विनायक चतुर्थी व्रत
ता. १४ मकर संक्रांति
ता. २१ पुत्रदा एकादशी
ता. २२ प्रदोष व्रत
ता. २४ व्रत की पूर्णिमा
ता. २५ स्नान दान पूर्णिमा
ता. २९ संकष्टा गणेश चतुर्थी व्रत

दिगम्बर जैन पर्व

ता. २१ रोहिणी व्रत
ता. २६ षोडषकारण व्रत प्रारंभ

श्वेताम्बर जैन पर्व

ता. ५ भ. पार्श्वनाथ ज.क.
ता. ९ पाक्षिक प्रतिक्रमण
ता. २४ पाक्षिक प्रतिक्रमण
ता. २८ कुमुद्धर्ता उत्सर्वा

संग्रहकर्ता - लाला प्रहलाद रामनारायन अग्रवाल
941, लार्डगंज (स्टेशनरी दुकान), जबलपुर - 482 002

मासफल- इस माह शनि तथा मंगल का षडाष्टक योग कहीं सत्ता में परिवर्तन के संकेत देता है। इंग्लैंड, अमेरिका, ईरान, ईराक, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, सऊदी अरब आदि देशों में आन्तरिक कलह होगी। अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति तनावपूर्ण रहेगी। भारतीय राजनीति में भी उलटफेर संभव है। हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब में शीत लहर एवं वर्षा का योग बनता है। कहीं-कहीं प्राकृतिक प्रकोप, ओलावृष्टि आदि से हानि होगी। घी, तेल, अलसी, गुड़, खांड, शक्कर, रुई, अनाज, बारदाना में मंदी का रुख रहेगा। माह के अंत में तेल, लोहे में तेजी, सोना चांदी में घटा-बढ़ी का योग है।

मकर संक्रांति – सूर्य मकर राशि में तारीख १४ को ११ बजकर २३ मिनिट दिन से। इसका पुण्यकाल शाम तक रहेगा। **मकर संक्रांति का राशिफल**- मेष - लाभ, वृषभ-इष्टसिद्धि, मिथुन-धर्मलाभ, कर्क-कष्ट, सिंह-सम्मान, कन्या-भय, तुला - ज्ञानवृद्धि, वृश्चिक- कलह, धनु - लाभ, मकर - संतोष, कुंभ - धनलाभ, मीन-हानि। मकर संक्रांति के दिन गरीबों को तिल, गरम वस्त्र, कंबल आदि का दान करना चाहिये।

चेतावनी – इस पंचांग की नकली प्रतियाँ बेचने पर सीधे कड़ी पुलिस कार्यवाही की जायेगी।

मूल्य 19/- अधिकतम